Date :

HIS. (SUB.)
B. A. I.

18.04.2020

DR. L.K.V.D. college Tappm.

By- DR. UDAY KUMAR

UNIT - III.

Sultanat period

सल्तनत काल

स्रोत

साहित्यिक स्रोत

पुरातात्विक स्रोत

प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोतों की तुलना में मध्यकालीन भारतीय इतिहास (सल्तनतकालीन) के स्रोतों की बहुलता मिलती है। इस काल

Scanned with CamScanner

Date :

के ऐतिहासिक साहित्य प्रचुर मात्रा में मिलते हैं।

साहित्यक स्रोतों के अंतर्गत सामान्य ऐतिहासिक ग्रंथों, जीवनीयों यात्रा वृत्तातों, प्रशासनिक दस्तावेज इत्यादि का उल्लेख किया जा सकता है।

पुरातात्विक स्रोतों में स्मारकों अभिलेखों एवं सिक्कों का उल्लेख किया जा सकता है।

साहित्यक स्रोत :-

सामान्य ऐतिहासिक रचनाओं में समस्त विश्व अथवा यदा-कदा मुस्लिम जगत के सामान्य इतिहास का वर्णन किया जा सकता है। इसमें भारतीय मुस्लिम शासकों का वर्णन मिलता है। ऐसी रचनाओं में मशहूर। मिनहाज-उत-सिराज की तबकात नासिरी।

↓ इसमें इस्लाम के उद्भव के पूर्व विभिन्न पैगम्बरों की जीवनी और इस्लाम की उत्पत्ती से लेकर इल्तुतमीश

Scanned with CamScanner

Date : ________

द्वारा संगठित सामंती दलों के इतिहास का वर्णन है। सल्तनत-काल में कई ऐसी ऐतिहासिक महत्व की प्रशासनिक रचनाएँ भी हुई जो राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक आर्थिक जीवन के विवरण के अतिरिक्त विभिन्न शासकों की नीतियों के गुण-दोषों एवं राजनीतिक आदर्शों की भी चर्चा की गई है।

बरनी के फतवा-ए-जहांदारी में यह बात स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होती है।

शहनामा में शासक विशेष की उपलब्धियों का विशेष रूप से वर्णन किया गया है। इसमें मुहम्मद-बिन-तुगलक के कार्य-कलापों का वर्णन किया गया है।

इसके अलावा सूफी संतों की चरितावली, विदेशियों का यात्रा वृतांत, ऐतिहासिक

Scanned with CamScanner

SELCO

Date :

महत्व की साहित्यिक रचनाएँ तथा अन्य महत्वपूर्ण ग्रंथ भी महत्वपूर्ण स्रोत हैं जो सल्तनत कालीन इतिहास का महत्वपूर्ण वर्णन मिलता है।

पुरातात्विक स्रोत :-

सल्तनत कालीन इतिहास के अध्ययन में पुरातात्विक स्त्रोतों की भी उपेक्षा नहीं की जा सकती। इस समय के अग्नावेश को देखकर तत्कालीन कलात्मक प्रगति एवं राज्य की समृद्धि का अंदाजा लगाया जा सकता है।

'कुवत-उल-इस्लाम' के अग्नावेशों को देखकर तत्कालीन कलात्मक प्रगति एवं राज्य की समृद्धि का आकलन किया जा सकता है।

कुतुब मीनार, अलाई-

Scanned with CamScanner

Date :

दरबाजा, फिरोज शाह कोटला आदि विशाल इमारतें हमें इसके कलात्मकता से परिचित कराती हैं तथा इस कला को देखकर आज के इतिहासकारों ने इसको प्रशासनिक राजनीतिक व कला के संरक्षण के रूप में काफी हद तक मदद बनाने मिलती है। कला व कलाकारों ने किसके शासन काल में अधिक प्रश्रय दिया जाता था। इसका आकलन किया जाता है

सल्तनत काल में मस्जिद एवं अन्य भवनों की दीवारों पर फारसी में अभिलेख भी खुदवाये। जिसे पढ़कर आज तत्कालीन शासक के काल के आर्थिक, राजनीतिक एवं प्रशासनिक स्थितियों का पता चलता है।

Scanned with CamScanner

SELCO

Date : ______

अधिकतर अभिलेख व्यक्तिगत है। फिर भी उनमें शासकों के नामों व तिथियों का भी उल्लेख किया गया है।

सल्तनकालीन सिक्के भी मध्यकालीन इतिहास के बारे में प्रमुख जानकारी मिलती है। जिससे सिक्कों की उपलब्धता से उस समकालीन शासक की आर्थिक स्थिति का पता चलता है व साथ उस शासक के काल में व्यापारिक गतिविधियों का भी आकलन किया जा सकता है।

DR. UDAYKUMAR.

Scanned with CamScanner